बीईसीसी-101

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स) कार्यक्रम
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2022-23

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–101
पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य

(2022-23)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 तथा 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-101, प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य हैं जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ प्रदान कर उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न हैं। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। **ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।**

i) **जुलाई 2022 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2023 है।**

ii) **जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2023 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।
   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :
   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;
   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और
   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी-101 : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.-101
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टी.एम.ए./2022-23
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य 1

निम्नलिखित वर्णनात्मक वर्ग के प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2x 20=40

1) क) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर उन दो उत्पादन स्तर के बीच तुलना करें जहां (i) एक उत्पादन स्तर सकारात्मक बाह्यताओं से संयुक्त है; (ii) दूसरा उत्पादन स्तर नकारात्मक बाह्यताओं से जुड़ा है। इस प्रकार के परिणामी अदक्ष उत्पादन स्तर को कैसे ठीक किया जा सकता है? **(10)**

ख) उन विभिन्न कारकों की चर्चा कीजिए जो प्रतियोगी बाज़ारों के दक्षता प्राप्त करने की क्षमता को विकृत (distort) करते हैं? **(10)**

2) क) उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर घटिया वस्तु के विषय में कीमत परिवर्तन की आय प्रभाव एवं प्रतिस्थापन प्रभाव के रूप में चर्चा कीजिए। **(10)**

ख) माँग एवं पूर्ति विश्लेषण के संबंध में वालरसियन संतुलन एवं वालरसियन स्थिरता शर्त पर चर्चा करें। **(6)**

ग) निम्नलिखित रेखाचित्र संख्या 1 पर विचार करें जहां DD तथा D'D' दो विभिन्न बाज़ारों में दो अलग-अलग वस्तुओं की माँग वक्र को दर्शाते हैं। इन दोनों माँग वक्रों की माँग की कीमत लोच के बीच तुलना करें। **(4)**

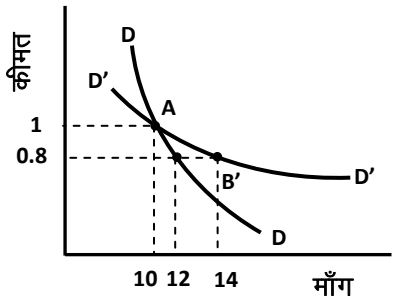

चित्र 1

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। **3x 10=30**

3. (क) मान लीजिये कि किसी फर्म का उत्पादन फलन रेखीय सजातीय है तो अल्पकाल एवं दीर्घकाल दोनों के तहत उस फर्म के विस्तार पथ की आकृति पर टिप्पणी करें। **(4)**

ख) निम्नलिखित तालिका पर विचार करें जो किसी फर्म की कुल लागत सूची को व्यक्त करती है। उत्पादन की दो इकाइयों के पैदा करने पर औसत स्थिर लागत रु.10 आती है। उत्पादन के संबंधित मूल्यों के फर्म की कुल परिवर्ती लागत, कुल स्थिर लागत औसत परिवर्ती लागत, औसत स्थिर लागत, अल्पकालीन औसत लागत और अल्पकालीन सीमांत लागत अनुसूची का आकलन करें। **(6)**

उत्पादन की लागत	कुल लागत
1	50
2	65
3	75
4	95
5	130
6	185

4) क) किनकी माँग वक्र की रचना करें और व्याख्या करें कि किस प्रकार सीमांत लागत में परिवर्तन बाज़ार में वस्तु की कीमत को प्रभावित नहीं भी कर सकते हैं? **(5)**

ख) एक एकाधिकारी फर्म का माँग वक्र इस प्रकार है– $Q = 30 - P$ जहाँ Q उत्पादन की मात्रा तथा P वस्तु की कीमत को व्यक्त करता है। कुल लागत वक्र इस प्रकार हैः $C(Q) = 2Q^2$. लाभ को अधिकतम करने वाली कीमत तथा उत्पादन मात्रा एवं लाभ का आकलन करें। एकाधिकारी की संतुलित कीमत एवं उत्पादन मात्रा का पूर्ण प्रतियोगी बाज़ार की संतुलित कीमत एवं उत्पादन मात्रा से तुलना करें। **(5)**

5) क) रेखाचित्र की सहायता से न्यूनतम मजदूरी नियम के श्रम बाज़ार पर प्रभाव को दिखाइये जबकि न्यूनतम मज़दूरी दर बाज़ार की संतुलित मज़दूरी दर से अधिक निर्धारित की गई हो। **(5)**

ख) यदि न्यूनतम मज़दूरी दर बाज़ार द्वारा निर्धारित संतुलित मज़दूरी दर से नीचे निर्धारित की जाती है तो इसका श्रम बाज़ार पर क्या प्रभाव पड़ेगा। **(5)**

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 6 अंक है। **5x 6=30**

6. अल्पाधिकार के अंतर्गत गैर-सहयोगी व्यवहार के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए। **(6)**

7. 'घटते हुए प्रतिफल का नियम केवल अल्पकाल में ही लागू होता है'– क्या आप इस कथन से सहमत हैं? **(6)**

8. पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत सीमांत उत्पाद का मूल्य एवं सीमांत आगम उत्पाद के बीच संबंध की सचित्र विवेचना करें। **(6)**

9. अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याओं की चर्चा कीजिए। **(6)**

10. रेखाचित्र की सहायता से यह प्रदर्शित करें कि आपूर्ति की कीमत लोच अधिक होने पर उपभोक्ता द्वारा प्रति इकाई वहन किये जाने वाला कर का भार भी अधिक होगा। **(6)**